Cotton College State University
Department of Hindi
Undergraduate Syllabus

प्रश्नपत्रों का विभाजन/ क्रेडिट (L+T+P Format)

सेमेस्टर- I

प्रश्नपत्र	***प्रश्नपत्र का नाम***	***क्रेडिट***
HIN 101C	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)	3+1+0
HIN 102C	हिन्दी भाषा का विकास	3+1+0
HIN 103C	हिन्दी कविता : आदिकाल	3+1+0

सेमेस्टर- II

प्रश्नपत्र	***प्रश्नपत्र का नाम***	***क्रेडिट***
HIN 201C	हिन्दी साहित्य का इतिहास (पूर्व मध्यकाल-उत्तर	3+1+0
HIN 202C	हिन्दी कविता: पूर्व मध्यकाल व उत्तर मध्यकाल	3+1+0
HIN 203C	भारतीय काव्यशास्त्र	3+1+0
HIN 204 (MIL)	आधुनिक हिन्दी साहित्य: पद्य	2+0+0

सेमेस्टर-III

प्रश्नपत्र	***प्रश्नपत्र का नाम***	***क्रेडिट***
HIN 301C	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	3+1+0
HIN 302C	आधुनिक हिन्दी कविता: नवजागरण काल से छायावाद	3+1+0
HIN 303C	हिन्दी कहानी: उद्भव, विकास व विस्तार	3+1+0

सेमेस्टर- **IV**

प्रश्नपत्र	*प्रश्नपत्र का नाम*	*क्रेडिट*
HIN 401C	हिन्दी आलोचना : उद्भव, विकास, विस्तार व पारिभाषिक शब्दावली	3+1+0
HIN 402C	आधुनिक हिन्दी कविता : प्रगतिवाद से समकालीन कविता	3+1+0
HIN 403C	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	3+1+0

सेमेस्टर-**V**

प्रश्नपत्र	*प्रश्नपत्र का नाम*	*क्रेडिट*
HIN 501C	हिन्दी उपन्यास : उद्भव, विकास, विस्तार	3+1+0
HIN 502C	हिन्दी नाटक व एकांकी	3+1+0
HIN 503C	विशेष कवि: पंत, निराला, महादेवी व प्रसाद	3+1+0
HIN 504 (MIL) in elective slot **or** or	मध्यकालीन साहित्य	2+1+0
HIN 505 (MIL) in elective slot	आधुनिक साहित्य: गद्य	2+1+0

सेमेटर-VI

प्रश्नपत्र	***प्रश्नपत्र का नाम***	***क्रेडिट***
HIN 601C	आधुनिक गद्य विधाएँ : निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, डायरी जीवनी, आत्मकथा, व्यंग्य	3+1+0
HIN 602C	तुलनात्मक साहित्य: अर्थ, परिभाषा व अध्ययन क्षेत्र (असमीया साहित्य के विशेष संदर्भ में)	3+1+0
HIN 603C in elective slot **or**	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2+1+1
HIN 604 C in elective slot	परियोजना कार्य	0+1+3
HIN 605 (MIL) in elective slot **or**	हिन्दी भाषा	2+1+0
HIN 606C (MIL) in elective slot	तुलनात्मक साहित्य: अर्थ, परिभाषा व अध्ययन क्षेत्र (असमीया साहित्य के विशेष संदर्भ में)	2+1+0

Code	आधारभूत पाठ्यक्रम
***सेमेटर* 1**	
HIN 101C	**<u>हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल)</u>** **3+1+0** • हिन्दी साहित्य: इतिहास लेखन **18 Classes** - इतिहास लेखन की परंपरा- काल विभाजन • आदिकाल **30 Classes** - नामकरण: अर्थ व आधार - राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति व साहित्यिक पृष्ठभूमि - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य - लौकिक साहित्य
<u>संदर्भ</u> • हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल • हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र • हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र • हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी • हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (17 खण्ड) - नागरीप्रचारिणी सभा • हिंदी साहित्य का आदिकाल- हजारीप्रसाद द्विवेदी	
HIN 102C	**<u>हिन्दी भाषा का विकास</u>** **3+1+0** • हिन्दी भाषा व विकास- हिन्दी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका **12 Classes** - भाषा-परिवार व अर्थ-भाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, मागधी) - हिन्दी का आरंभिक रूप

	- हिन्दी का अर्थ - हिन्दी का विकास • हिन्दी भाषा का क्षेत्र व विस्तार **12 Classes** - हिन्दी भाषा क्षेत्र व बोलियां - हिन्दी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा व संचार भाषा) - हिन्दी का अखिल भारतीय स्वरूप - हिन्दी का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप (कैरेबियाई देश–गिरमिटिया रूप) • लिपि: अर्थ व इतिहास **12 Classes** - भाषा व लिपि का संबंध - लिपि: परिभाषा, स्वरूप व आवश्यकता - लिपि: आरंभिक स्वरूप/ विभिन्न रूप (चित्रलिपि, भावलिपि व ध्वनि लिपि) - भारत में लिपि का विकास • देवनागरी लिपि: परिचय व विकास **12 Classes** - देवनागरी लिपि-मानवीकरण - आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएँ - लिपि व कंप्यूटर
<u>संदर्भ</u> • सामान्य भाषाविज्ञान - बाबूराम सक्सेना • भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा • भाषा विज्ञान - भोलानाय तिवारी • हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेन्द्र वर्मा • हिंदी: उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी • सामान्य भाषाविज्ञान - वैश्ना नारंग • हिंदी भाषा: इतिहास और स्वरूप - राजमणि शर्मा • हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी • संरचनावाद उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र - गोपीचंद नारंग	
HIN 103C	<u>हिन्दी कविता**:** आदिकाल</u> **3+1+0** • आदिकालीन कविता: परिचय व स्वरूप: भाषा **16 Classes** - अमीर खुसरो: व्यक्तित्व व कृतित्व (परमानंद पांचाल), कव्वाली, गीत, दोहे • रासो साहित्य (चंदबरदायी: पृथ्वीराज रासो, संपा. हजारीप्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह- 2 समय) **16 Classes** • विद्यापति (विद्यापति पदावली, संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी, आरंभिक 10 पद) **16 Classes** - व्यक्तित्व व कृतित्व वंदना: राधा, श्री कृष्ण प्रेम (प्रेम), राधा का प्रेम (प्रेम), राधा का वर्णन (श्रृंगार)

<u>संदर्भ</u>

- अमीर खुसरो - परमानंद पांचाल
- विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह
- विद्यापति की पदावली - शिवकार कपूर

सेमेस्टर- II	
HIN 201C	<u>हिन्दी साहित्य का इतिहास (पूर्व मध्यकाल व उत्तर मध्यकाल)</u> **3+1+0** • भक्ति आंदोलन और आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप **24 Classes** - भक्ति साहित्य: सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - भक्ति साहित्य: दार्शनिक आधार (अद्वैत, द्वैत, विशिष्टाद्वैत, द्वैताद्वैत) - भक्ति साहित्य: रूप व विस्तार (निर्गुण, सगुण) (ज्ञानाश्रयी, प्रेममार्गी-सूफी काव्य) (रामभक्ति, कृष्ण भक्ति) - असमीया भक्ति साहित्य: शंकरदेव व माधवदेव • रीतिकाल: नामकरण **24 Classes** - रीतिकाल : सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - काव्य प्रवृत्तियाँ: रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीति मुक्त :वीर काव्य, भक्ति काव्य, नीति काव्य

<u>संदर्भ</u>

- हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (17 खण्ड) - नागरीप्रचारिणी सभा
- हिंदी साहित्य का आदिकाल- हजारीप्रसाद द्विवेदी

HIN 202C	<u>हिन्दी कविता: पूर्व मध्यकाल व उत्तर मध्यकाल</u> **3+1+0** • कबीर (हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा संपादित कबीर के आरंभिक 10 पद) **6 Classes** • सूरदास (सूरसागर- संपा. नंददुलारे बाजपेई- पद- छंद-138, 153 (विनय), 110, 115 (वात्सल्य), 672, 673 (श्रृंगार) **6 Classes** • तुलसीदास (रामचरित मानस- गीताप्रेस गोरखपुर संस्करण, बालकांड- 1, अयोध्याकांड- 22, सुंदरकांड- 25, उत्तरकांड- 96) **3 Classes** • मीरां (मीरांबाई की पदावली- परशुराम चतुर्वेदी- पद संख्या- 5, 17, 18) **3 Classes** • शंकरदेव के बरगीत (1-5), माधवदेव के बरगीत (1-5) (असमीया साहित्य निकष) **6 Classes** • केशवदास (प्रिया प्रकाश- ला. भगवानदीन) कवि प्रिया: तीसरा प्रभाव (1, 2, 4, 5), पांचवा प्रभाव (1, 10), छठा प्रभाव (56, 66, 69) **6 Classes** • अब्दुर्रहीम खानखाना (ग्रंथावली- विद्यानिवास मिश्र) दोहावली - छंद संख्या (38, 49, 87, 126, 130, 166, 167, 175, 180, 212, 220, 222) **6 Classes** • बिहारी (बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथदास रत्नाकर) (छंद: 1, 62, 103, 127, 128,143, 180, 347, 363, 388) **5 Classes** • घनानंद (ग्रंथावली- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41, 49, 54) **4 Classes** • भूषण (शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) (50, 104, 411, 420, 443, 521, 515) **3 Classes**

<u>संदर्भ</u>

- कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- कबीर की विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत
- कबीर - सं. विजयेंद्र स्नातक
- सूरदास - रामचंद्र शुक्ल
- सूर और उनका साहित्य - हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
- गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
- तुलसी-काव्य-मीमांसा - उदयभानु सिंह
- तुलसीदास और उनका युग - राजपति दीक्षित
- मध्ययुगीन प्रेमाख्यान· - श्याममनोहर पाण्डेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका - रामपूजन तिवारी

- सूफी कविता की पहचान - यश गुलाटी
- मीरां का काव्य - भगवानदास तिवारी
- मीरा. जीवन और काव्य- सी.एल.प्रभात
- कृष्णलीला विमर्श - जगदीश भारद्वाज
- देव और उनकी कविता - डॉ. नगेंद्र
- रीतिकाव्य की भूमिका- डॉ. नगेंद्र
- बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग - रणधीरप्रसाद सिन्हा
- भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा
- भूषण - विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास - रामस्वरूप शास्त्री
- गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) - सं. किशोरीलाल गुप्त
- हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल - महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (भाग-6) - सं. डॉ. नगेंद्र
- द्विजदेव और उनका काव्य - अंबिकाप्रसाद बाजपेयी
- घनानंद ग्रंथावली- विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा - मनोहरलाल गौड़
- सनेह को मारग - इमरै बंगा

HIN 203C	<u>भारतीय काव्य शास्त्र</u> **3+1+0** 1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य भरतमुनि से पंडित जगन्नाथ) **12 Classes** - काव्य, लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन 2. रस: स्वरूप और लक्षण, रस के अंग व भेद **12 Classes** - शब्दशक्तियां - गुण व दोष: लक्षण व भेद 3. अलंकार: लक्षण व भेद **12 Classes** शब्दानुप्रास : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति अर्थशब्दानुप्रास: उपमा, रूपक, अपहनुति, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति 4. छंद: प्रकार, रूप, लक्षण **8 Classes** - समवर्णिक - सवैया, धनाधरी - सममात्रिक - चौपाई, रोला, हरिगीतिका - अर्द्ध सममात्रिक - बरवै, दोहा, सोरठा - विषम सममात्रिक - कुंडलिया, छप्पय 5. काव्य रूप: पद्य, गद्य, चम्पू, प्रबंध, मुक्तक **4 Classes**

<u>संदर्भ</u>

- भारतीय काव्यशास्त्र: सुबोध विवेचन - सत्यदेव चौधरी
- काव्यतत्त्व - राममूर्ति त्रिपाठी
- काव्यदर्पण - रामदहिन मिश्र
- सिद्धांत और अध्ययन - बाबू गुलाबराय
- साहित्य-सिद्धांत - रामअवध द्विवेदी
- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ.नगेंद्र
- रससिद्धांत: स्वरूप और विश्लेषण: आनंदप्रकाश दीक्षित
- हिंदी अलंकार साहित्य का शास्त्रीय विवेचन- ओमप्रकाश
- भारतीय साहित्यशास्त्र - बलदेव उपाध्याय
- हिंदी ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर
- रस मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- रस-सिद्धांत - डॉ. नगेंद्र
- भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा - राधावल्लभ त्रिपाठी
- साहित्य का स्वरूप - नित्यानंद तिवारी
- काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
- भारतीय आलोचनाशास्त्र - राजवंश सहाय 'हीरा'

- साहित्य सहचर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

HIN 204 (MIL)	आधुनिक हिन्दी साहित्य**:** पद्य	**2+0+0**
	1. नजीर अकबराबादी (आदमीनामा, आटे-दाल का भाव)	**6 Classes**
	2. भारतेन्दु हरिश्चंद (होली, उर्दू का स्यापा, नए ज़माने की मुकरी)	**6 Classes**
	3. मैथिलीशरण गुप्त (भारत भारती- 3 कविताएँ)	**6 Classes**
	4. जयशंकर प्रसाद- विषाद (झरना), हिमाद्रि तुंगश्रग से (चंद्रगुप्त) प्रतिमा में सजीवता सी (आंसू)	**7 Classes**
	5. निराला- जूही की कली (परिमल), बसन बासन्ती (अपरा)	**7 Classes**

संदर्भ

- नजीर अकबराबादी के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन - दामोदर वशिष्ठ
- नजीर अकबराबादी और उनकी विचारधारा - अब्दुल अलीम
- मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन - डॉ.नगेंद्र
- मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता- उमाकांत गोयल
- मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंत:सूत्र- कष्णदत्त वा वाजपेयी
- जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
- जयशंकर प्रसाद - प्रेमशंकर
- निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
- अनकहा निराला - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
- कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला: आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
- निराला काव्य की छवियाँ - नंदकिशोर नवल
- माखनलाल चतुर्वेदी - ऋषि जैमिनी कौशिक
- युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
- रामधारी सिंह दिनकर - विजयेंद्र नारायण सिंह
- स्वछंदतावादी काव्यधारा - प्रेमशंकर
- छायावाद के आधार-स्तंभ - गंगाप्रसाद पाण्डेय
- छायावाद - नामवर सिंह
- त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिंदी कविता में बिंब-विधान का विकास- केदारनाथ सिंह
- छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान - सूर्यप्रसाद दीक्षित

सेमेस्टर-III	
HIN 301C	<u>हिन्दी साहित्य का इतिहास **(**आधुनिक काल**)**</u> **3+1+0** 1. आधुनिक युग- अर्थ, व्युत्पति, प्रसार **4 Classes** - संक्रमण (मध्यकाल से आधुनिक युग) 2. हिन्दी नवजागरण व भारतेन्दु, भारतेन्दु मंडल **4 Classes** - नवीन विधाएँ (उपन्यास, जीवनी, यात्रा, साहित्य, रिपोर्ताज आदि) - प्रेस का उदय - नवीनता - विचार 3. ब्रजभाषा व खड़ी बोली विवाद **4 Classes** 4. महावीर प्रसार द्विवेदी और राष्ट्रीय आंदोलन में खड़ी बोली हिन्दी की भूमिका **6 Classes** 5. स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण चेतना के विभिन्न उत्कर्ष **6 Classes** 6. स्वाधीनता आंदोलन का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव (छायावाद, प्रगतिवाद व उत्तर छायावाद) **6 Classes** 7. प्रगतिवाद **6 Classes** 8. प्रयोगवाद **6 Classes** 9. साहित्यिक आंदोलन: नई कविता, अकविता, नवगीत, हिन्दी गजल **6 Classes**

<u>संदर्भ</u>

- हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (17 खण्ड) - नागरीप्रचारिणी सभा
- हिंदी साहित्य का आदिकाल- हजारीप्रसाद द्विवेदी

HIN 302C	<u>आधुनिक हिन्दी कविता**:** नवजागरण काल से छायावाद तक</u> **3+1+0** 1. नजीर अकबराबादी **6 Classes** - आदमीनामा, आटे-दाल का भाव 2. भारतेन्दु हरिश्चंद - होली, उर्दू का स्यापा, नए ज़माने की मुकरी, दशरथ विलाप, भाषा विषयक दोहे **8 Classes** 3. मैथिलीशरण गुप्त **6 Classes** - भारत भारती (5 कविताएँ) 4. जयशंकर प्रसाद **14 Classes** विषाद (झरना), हिमाद्रि तुंगश्रग से (चंद्रगुप्त) प्रतिमा में सजीवता सी (आंसू), बीती विभावरी जाग री (लहर) ओ री मानस मन की गहराई (लहर) 5. निराला **14 Classes** जूही की कली (परिमल), बसन बासन्ती (अपरा), तोड़ो तोड़ो कारा (अनामिका) तोड़ती पत्थर (अपरा)

<u>संदर्भ</u>

- नजीर अकबराबादी के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन - दामोदर वशिष्ठ
- नजीर अकबराबादी और उनकी विचारधारा - अब्दुल अलीम
- मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन - डॉ.नगेंद्र
- मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता- उमाकांत गोयल
- मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंत:सूत्र- कष्णदत्त वा वाजपेयी
- जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
- जयशंकर प्रसाद - प्रेमशंकर
- निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
- अनकहा निराला - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
- कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला: आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
- निराला काव्य की छवियाँ - नंदकिशोर नवल
- माखनलाल चतुर्वेदी - ऋषि जैमिनी कौशिक
- युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
- रामधारी सिंह दिनकर - विजयेंद्र नारायण सिंह
- स्वछंदतावादी काव्यधारा - प्रेमशंकर
- छायावाद के आधार-स्तंभ - गंगाप्रसाद पाण्डेय
- छायावाद - नामवर सिंह

- त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिंदी कविता में बिंब-विधान का विकास- केदारनाथ सिंह
- छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान - सूर्यप्रसाद दीक्षित

HIN 303C	<u>हिन्दी कहानी</u>**:** <u>उद्भव, विकास, विस्तार व पारिभाषिक शब्दावली</u> **3+1+0** 1. कहानी : अर्थ, परिभाषा व विस्तार **6 Classes** 2. कहानी का उदय: कारण व आरंभिक स्वरूप **6 Classes** 3. आर. बी. घोष (दुलाई वाली), चंद्रधर शर्मा गुलेरी (सुखमय जीवन), प्रेमचन्द (मां), प्रसाद (इन्द्रजाल) जैनेन्द्र कुमार (जाह्नवी), मोहन राकेश (मलबे का मालिक), निर्मल वर्मा (परिंदे), ज्ञानरंजन (फेंस के इधर उधर), फणीश्वरनाथ रेणु (तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम), अमर कांत (दोपहर का भोजन), मुन्नू भंडारी (एक कमजोर लड़की की कहानी), कृष्णा सोबती (सिक्का बदल गया), उदय प्रकाश (टेपचू), मंज़ूर एहतेशाम (तस्बीह) **36 Classes**

संदर्भ

- हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय
- हिंदी कहानी: अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
- कहानी- नई-कहानी - नामवर सिंह
- एक दुनिया समानांतर - राजेंद्र यादव
- हिंदी कहानी की रचना -प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव
- अपनी बात - भीष्म साहनी
- नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
- बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध : हिंदी कहानी - नरेंद्र मोहन
- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
- बंग महिला: नारी मुक्ति का संघर्ष - भवदेव पांडेय

सेमेस्टर- IV	
HIN 401C	हिन्दी आलोचना**:** उद्भव, विकास, विस्तार व पारिभाषिक शब्दावली **3+1+0** 1. हिन्दी आलोचना का उदय आरंभिक आलोचक: शिवसिंह सेंगर, गार्सा द तासी व मिश्रबंधु **4 Classes** 2. महावीरप्रसाद द्विवेदी, द्विवेदी युग के आलोचक **4 Classes** 3. श्यामसुंदर दास **4 Classes** 4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल **6 Classes** 5. नंददुलारे बाजपेई **6 Classes** 6. रामविलास शर्मा **6 Classes** 7. डॉ. नगेन्द्र **6 Classes** 8. हिन्दी की आलोचनात्मक शब्दावली **6 Classes** (ज्ञान दशा, भावदशा, हृदय की मुक्तावस्था, लोकमंगल, विरुद्धों का सामंजस्य, विभावन व्यापार, विसंगति व विडंबना, सहानुभूति व स्वानुभूति) 9. स्त्रीवादी व दलितवादी आलोचना **6 Classes**

<u>प्रमुख आलोचको के पाठों का संकलन</u>

- प्रेमचंद - साहित्य का उद्देश्य
- आचार्य रामचंद्र द्विवेदी - काव्य में लोकमंगल
- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ
- रामविलास शर्मा - प्रगतिशील साहित्य और भाषा समस्या
- डॉ. नगेंद्र- आधुनिकता का प्रश्न: साहित्य के संदर्भ में

<u>संदर्भ</u>

- साहित्य कोश
- चिन्तामणि- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- साहित्य सिद्धांत - रामअवध द्विवेदी
- साहित्य सिद्धांत : रेनेवेलक - ऑस्टिन वारेन (अनुवाद)
- आस्था के चरण - डॉ. नगेंद्र
- कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह
- हिंदी आलोचना के बीजशब्द - बच्चन सिंह
- मिथकीय अवधारणा और यथार्थ - रमेश गौतम
- हिंदी गद्य, विन्यास और यथार्थ - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी

HIN 402C	<u>आधुनिक हिन्दी कविता**:** प्रगतिवाद से समकालीन कविता</u> **3+1+0** 1. स. ही. वा अज्ञेय (सामज्ञी का नवैद्य दान, हिरोशिमा, कितनी नावों में कितनी बार, कलगी बाजरे की) **6 Classes** 2. भवानी प्रसाद मिश्र- कालजयी (निर्वाण सर्ग) **4 Classes** 3. मुक्तिबोध (भूल-गलती) **6 Classes** 4. नागार्जुन (भारतीय जनकवि का प्रणाम, खिचड़ी विप्लव मैंने देखा, अकाल और उसके बाद) **4 Classes** 5. रघुवीर सहाय (अरे अब ऐसी कविता लिखें, आज की कविता) **4 Classes** 6. धूमिल- मोचीराम **4 Classes** 7. केदारनाथ सिंह- नए कवि का दुख, यहां से देखो **4 Classes** 8. राजेश जोशी- हमारी भाषा, वली दकनी **4 Classes** 9. अरुण कमल- उम्मीद, वापस **4 Classes** 10. देवीप्रसाद मिश्र- मुसलमान **4 Classes** 11. जितेन्द्र श्रीवास्तव- मानस राग, तुमकोही कोठी का मैदान **4 Classes**

संदर्भ

- नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा
- कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
- कविता की जमीन और जमीन की कविता - नामवर सिंह
- आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ तिवारी
- समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव
- समकालीन हिंदी कविता - रवींद्र भ्रमर
- समकालीनता और साहित्य - राजेश जोशी
- आज की कविता - विनय विश्वास
- आधुनिक कविता-यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- अज्ञेय साहित्य: प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
- हिंदी नवगीत: उद्भव और विकास - राजेंद्र गौतम
- हिंदी नवगीत की विकास-यात्रा - माधव कौशिक
- हिंदी गजल की विकास-यात्रा- ज्ञानप्रकाश विवेक
- नयी कविता और उसका मूल्यांकन - सुरेशचंद्र सहगल

HIN 403C	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**3+1+0**
	1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा	**4 Classes**
	2. प्लेटो व अरस्तू	**8 Classes**
	3. लोंजाइनस	**4 Classes**
	4. होरस	**4 Classes**
	5. जॉन ड्राइडन	**4 Classes**
	वाद	
	1. स्वच्छंदतावाद	**6 Classes**
	2. आदर्शवाद	**6 Classes**
	3. यथार्थवाद	**6 Classes**
	4. मार्क्सवाद	**6 Classes**

संदर्भ

- निर्मला जैन, उदात्त के विषय में, दिल्ली, वाणी प्रकाशन
- श्यामसुंदर दास, साहित्यालोचन, प्रयाग, इंडियन प्रेस
- डॉ. नगेन्द्र, अरस्तू का काव्य शास्त्र, दिल्ली, आत्माराम एण्ड संस
- बच्चन सिंह, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः तुलनात्मक अध्ययन, पंचकूला, हरियाणा साहित्य अकादमी
- नामवर सिंह (संपा.), कार्ल मार्क्सः कला एवं साहित्य चिंतन, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन
- निर्मला जैन, काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा, दिल्ली, वाणी प्रकाशन
- सिगमंड फ्रायड, मनोविश्लेषण, दिल्ली, राजपाल एण्ड संस
- शिवकुमार मिश्रा, मार्क्सवादी साहित्य चिंतनः इतिहास तथा सिद्धांत, भोपाल, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी
- देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
- भागीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्य शास्त्रः इतिहास, सिद्धांत और वाद, वाराणसी, विश्वद्यालय प्रकाशन
- I A Richards, Principals of Literary Criticism
- W. K. Wimsatt & Beardsley, Literary Criticism- A Short History, New Delhi, Oxford IBH
- T. S. Eliot, Selected Essays, Faber & Faber, London

सेमेस्टर- V		
HIN 501C	हिन्दी उपन्यास : उद्भव, विकास व विस्तार	**3+1+0**
	1. उपन्यास व अर्थ व परिभाषा विधा के उदय के कारण	**10 Classes**
	2. प्रेमचंद - सेवासदन	**12 Classes**
	3. वृंदावन लाल वर्मा - झाँसी की रानी	**6 Classes**
	4. उषा प्रियंवदा - पचपन खंभे लाल दीवारें	**6 Classes**
	5. यशपाल- झूठा-सच (विद्यार्थी संस्करण)	**8 Classes**
	6. मुन्नू भंडारी- आपका बंटी	**6 Classes**

संदर्भ

- हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा- रामदरश मिश्र
- प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा
- प्रेमचंद: एक विवेचन- इंद्रनाथ मदान
- उपन्यास का उदय - इयान वाट
- उपन्यास के पहलू - ई. एम. फास्टर
- उपन्यास और लोकजीवन - रॉल्फ फॉक्स
- विविध प्रसंग - प्रेमचंद
- कलम का सिपाही - अमृत राय

- कथा विवेचना और गद्य शिल्प - रामविलास शर्मा
- आस्था और सौंदर्य - रामविलास शर्मा
- दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह

HIN 502C	<u>हिन्दी नाटक व एकांकी</u>	**3+1+0**
	नाटक	
	1. भारतेन्दु हरिश्चंद - भारत दुर्दशा	**8 Classes**
	2. जयशंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी	**8 Classes**
	3. जगदीशचंद्र माथुर- पहला राजा	**8 Classes**
	एकांकी	
	1. रामकुमार वर्मा - चारूमित्रा	**4 Classes**
	2. भुवनेश्वर- श्यामा: एक वैवाहिक विड़ंबना	**4 Classes**
	3. मोहन राकेश- अंडे के छिलके	**6 Classes**
	4. सुरेंद्र वर्मा- नींद रात भर क्यों नहीं आती	**6 Classes**
	5. विष्णु प्रभाकर- वैष्णव जन	**4 Classes**

<u>संदर्भ</u>

- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद जैन (संपा)
- हिंदी के प्रतीक नाटक - रमेश गौतम
- नाटककार भारतेंदु की रंग- परिकल्पना - सत्येंद्र तनेजा
- हिंदी नाटक: स्वरूप- गौतम (संपा.)
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना - गोविंद चातक
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
- नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा
- रंगानुभव के बहुरंग - रमेश गौतम
- एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र
- हिंदी एकांकी: शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार

HIN 503C	<u>विशेष कवि: पंत, निराला, महादेवी व प्रसाद</u> **3+1+0** 1. व्यक्तित्व व कृतित्व प्रतिनिधि रचनाओं का परिचय **8 Classes** 2. पंत- प्रथम रश्मि, अनुभूति, परिवर्तन, अमर स्पर्श, साध्य वंदना, महात्मा गांधी के प्रति, ताज, ग्राम श्री **10 Classes** 3. निराला- तुलसीदास, गहन है यह अंधकार, स्नेह निर्झर बह गया, मरा हूं हजार मरण, बांधों न नाव इस ठांव बंधु **10 Classes** 4. महादेवी वर्मा- अलि! मैं कणकण को जान चली, यह मंदिर की दीप, जब दीप थके, मैं प्रिय पहचानती नहीं **10 Classes** 5. प्रसाद- कामायनी (आनंद सर्ग), प्रयाण गीत, चित्राधार **10 Classes**

<u>संदर्भ</u>

- जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
- जयशंकर प्रसाद - प्रेमशंकर
- निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
- अनकहा निराला - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
- कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला: आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
- निराला काव्य की छवियाँ - नंदकिशोर नवल
- माखनलाल चतुर्वेदी - ऋषि जैमिनी कौशिक
- युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
- रामधारी सिंह दिनकर - विजयेंद्र नारायण सिंह
- स्वच्छंदतावादी काव्यधारा - प्रेमशंकर
- छायावाद के आधार-स्तंभ - गंगाप्रसाद पाण्डेय
- छायावाद - नामवर सिंह
- त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिंदी कविता में बिंब-विधान का विकास- केदारनाथ सिंह
- छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान - सूर्यप्रसाद दीक्षित

HIN 504 (MIL) in elective slot or	<u>मध्यकालीन साहित्य</u>	**2+1+0**
	• भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय प्रसार	**2 Classes**
	भक्ति कविता-	
	1. कबीर (कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी से आरंभिक 5 पद)	**3 Classes**
	2. तुलसी (पुष्पवाटिका प्रसंग)	**3 Classes**
	3. जायसी (प्रेम खंड- आचार्य शुक्ल द्वारा संपादित जायसी ग्रंथावली से)	**4 Classes**
	4. सूरदास (उद्धव गोपी संवाद)	**4 Classes**
	• रीति साहित्य के उदय की पृष्ठभूमि	**2 Classes**
	1. केशवदास (प्रिया प्रकाश- ला. भगवानदीन) कवि प्रिया: तीसरा प्रभाव (1, 2, 4)	3 **Classes**
	2. अब्दुर्रहीम खानखाना (ग्रंथावली- विद्यानिवास मिश्र) दोहावली - छंद संख्या (38, 49, 87)	3 **Classes**
	3. बिहारी (बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथदास रत्नाकर) (छंद: 1, 62, 103)	**4 Classes**
	4. घनानंद (ग्रंथावली- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित (1, 4, 7)	**4 Classes**

<u>संदर्भ</u>

- कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- कबीर की विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत
- कबीर - सं. विजयेंद्र स्नातक
- सूरदास - रामचंद्र शुक्ल
- सूर और उनका साहित्य - हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
- गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
- तुलसी-काव्य-मीमांसा - उदयभानु सिंह
- तुलसीदास और उनका युग - राजपति दीक्षित
- मध्ययुगीन प्रेमाख्यान· - श्याममनोहर पाण्डेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका - रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान - यश गुलाटी
- मीरां का काव्य - भगवानदास तिवारी
- मीरा. जीवन और काव्य- सी.एल.प्रभात
- कृष्णलीला विमर्श - जगदीश भारद्वाज

- देव और उनकी कविता - डॉ. नगेंद्र
- रीतिकाव्य की भूमिका- डॉ. नगेंद्र
- बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग - रणधीरप्रसाद सिन्हा
- भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा
- भूषण - विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास - रामस्वरूप शास्त्री
- गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) - सं. किशोरीलाल गुप्त
- हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल - महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (भाग-6) - सं. डॉ. नगेंद्र
- द्विजदेव और उनका काव्य - अंबिकाप्रसाद बाजपेयी
- घनानंद ग्रंथावली- विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा - मनोहरलाल गौड़
- सनेह को मारग - इमरै बंगा

HIN 505 (MIL) in elective slot	आधुनिक हिन्दी साहित्य: गद्य **2+1+0** हिन्दी कहानी: उद्भव, विकास, विस्तार व पारिभाषिक शब्दावली 1. कहानी : अर्थ, परिभाषा व विस्तार **6 Classes** 2. कहानी का उदय: कारण व आरंभिक स्वरूप **6 Classes** 3. रा. बी. घोष (दुलाई वाली), चंद्रधर शर्मा गुलेरी (सुखमय जीवन), प्रेमचन्द (मां), प्रसाद (इन्द्रजाल) जैनेन्द्र कुमार (जाह्नवी), मोहन राकेश (मलबे का मालिक), निर्मल वर्मा (परिंदे), ज्ञानरंजन (फेंस के इधर उधर), फणीश्वरनाथ रेणु (तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम) **20 Classes**

संदर्भ

- हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय
- हिंदी कहानी: अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
- कहानी- नई-कहानी - नामवर सिंह
- एक दुनिया समानांतर - राजेंद्र यादव
- हिंदी कहानी की रचना -प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव
- अपनी बात - भीष्म साहनी
- नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी

- बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध : हिंदी कहानी - नरेंद्र मोहन
- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
- बंग महिला: नारी मुक्ति का संघर्ष - भवदेव पांडेय

सेमेस्टर- VI	
HIN 601C	<u>आधुनिक गद्य विधाएँ: निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, डायरी, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा साहित्य</u> **3+1+0** निबंध 1. बालकृष्ण भट्ट- ज़बान **2 Classes** 2. बालमुकुंद गुप्त- शिवशंभु के चिट्ठे बनाम लार्ड कर्जन **4 Classes** 3.रामचंद्र शुक्ल- करूणा **4 Classes** 6.हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज **4 Classes** 7. सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम **4 Classes** संस्मरण-रेखाचित्र 1. महादेवी वर्मा - भक्तिन **2 Classes** रिर्पोताज 1. फणीश्वरनाथ रेणु- ऋणजल-धनजल **4 Classes** यात्रा साहित्य 1. स .ही. वा. अज्ञेय- अरे यायावर रहेगा याद (माझुली) **4 Classes** जीवनी 1. मोहनदास गांधी - सत्य ने प्रति मेरे प्रयोग (प्रथम दो अध्याय) **4 Classes** आत्मकथा 1. हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा (संक्षिप्त) अजित कुमार **4 Classes** 2. ओम प्रकाश बाल्मीकी- जूठन **4 Classes** व्यंग्य 1. हरिशंकर परसाई- पगडंडियो का जमाना **4 Classes** 2. मनोहरश्याम जोशी - अरे बनाहिने से तो बनिहै बायोग्राफी **4 Classes**

संदर्भ

- हिंदी गद्य: विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य की भूमिका – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
- भारतेंदु युग - रामविलास शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी वाङ्मय: बीसवीं शताब्दी - डॉ. नगेंद्र
- आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य - हरदयाल
- महादेवी का गद्य साहित्य - माखनलाल शर्मा
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी आत्मकथा: सिद्धांत और स्वरूप-विश्लेषण - विनीता अग्रवाल

HIN 602C	तुलनात्मक साहित्य**:** अर्थ**,** परिभाषा व अध्ययन क्षेत्र 1. असमीया साहित्य का इतिहास 2. माहिम बोरा (माछ) हीरेन भट्टाचार्य (भोगाली) अजीत बरुआ (अवंति नगर) 3. सौरव कुमार चलिहा (गुलाम) जोगेश दास (गदाधर टी- स्टाल), अरुपा पतंगिया कलिता (निमंत्रण) 4. वाणी कांत काकोती (निशदूत, कबिर अहैतु की प्रीति, भावरिया भेषत प्रेमिक) ,महेश्वर नेओग (साहित्य साधना, अर्थ व रूचि)	**3+1+0** **12 Classes** **12 Classes** **12 Classes** **12 Classes**

संदर्भ

- असमीया साहित्य निकष- बी.एन. राय चौधरी
- असमीया साहित्य का इतिहास- चित्रा महंत
- असमीया साहित्यर इतिवृत्त- सत्येंद्र नाथ शर्मा
- असमीया साहित्यत दृष्टिपात- हेमंत कुमार शर्मा
- असमीया नाटक साहित्य- ए.एन. शर्मा

HIN 603C **or**	प्रयोजनमूलक हिन्दी 1. प्रयोजन मूलक हिन्दी-अर्थ 2. राजभाषा व राष्ट्रभाषा 3. आलेखन, पत्र, टिप्पण 4. अनुवाद: साहित्यिक व प्रशासनिक • प्रविधि • व्यवहारिक 5. हिन्दी कंप्यूटिंग	**3+1+0** **8 Classes** **8 Classes** **12 Classes** **5 Classes** **5 Classes** **10 Classes**

संदर्भ

- भाषा-शिक्षण- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा-शिक्षण के कुछ पक्ष - सं. अमर बहादुर सिंह
- भाषा-शिक्षण तथा भाषाविज्ञान - (सं.) ब्रजेश्वर वर्मा
- भाषा-शिक्षण- लक्ष्मीनारायण शर्मा
- हिंदी शिक्षण: अंतराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य- (सं.) सतीश कुमार रोहरा, सूरजभान सिंह
- हिंदी भाषा-शिक्षण - भोलानाथ तिवारी
- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान- (सं.) रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी
- हरिबाबू कंसल - कार्यालय प्रदीपिका
- विजयकुमार मल्होत्रा - कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- डॉ. नगेंद्र - अनुवाद विज्ञान
- रामालु रेड्डी - अनुवाद के सिद्धांत
- हेमचंद्र पांडे - अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)
- सुरेश सिंहल - सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
- नवीन चंद्र सहगल - काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
- विमलेश कांति वर्मा (सं.) - कोश विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
- डॉ. भोलानाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, दिल्ली, शब्दकार
- डॉ. जी. गोपीनाथन, अनुवादः सिद्धांत और प्रयोग, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन
- डॉ. रामगोपालसिंह, अनुवाद विज्ञानः स्वरूप और समस्याएं, अहमदाबाद, पार्शव प्रकाशन
- रीतारानी पालीवाल, अनुवाद प्रक्रिया और परिदृश्य, दिल्ली
- सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, दिल्ली
- कैलाशचंद्र भाटिया, अनुवाद कला - सिद्धांत और प्रयोग, नई दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन
- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णकुमार गोस्वामी, अनुवाद- सिद्धांत एवं समस्याएं, दिल्ली, आलेख प्रकाशन
- डॉ. सुरेश सिंहल, सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद- स्वरूप और समस्याएं, नई दिल्ली, सार्थक प्रकाशन
- राजमणि शर्मा, अनुवाद विज्ञान- सिद्धांत और प्रायोगिक संदर्भ, नई दिल्ली, सार्थक प्रकाशन
- पूरनचंद टंडन एवं हरीशकुमार सेठी, अनुवाद के विविध आयाम, दिल्ली, सार्थक प्रकाशन
- डॉ. आरसू, साहित्य अनुवाद: संवाद और संवेदना, नई दिल्ली, सार्थक प्रकाशन

HIN 604C	<u>परियोजना कार्य</u> **0+1+3** सेमेस्टर के अंत में अंतिम परीक्षा से पूर्व परियोजना कार्य का विकल्प चुनने वाले छात्रों/छात्राओं के 2000-2500 शब्दों के एक परियोजना कार्य को करना होगा। इस कार्य के लिए विषय का चुनाव विभाग द्वारा गठित एक समिति द्वारा किया जाएगा। छात्र निर्धारित किए गए अध्यापक/ अध्यापिका के निर्देशन में यह परियोजना कार्य पूरा करेंगे।
HIN 604 MIL **or**	**<u>हिन्दी भाषा</u>** **2+1+0** • हिन्दी भाषा व विकास- हिन्दी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका **16 Classes** - भाषा-परिवार व अर्थ-भाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, मागधी) - हिन्दी का आरंभिक रूप - हिन्दी का अर्थ - हिन्दी का विकास • हिन्दी भाषा का क्षेत्र व विस्तार **16 Classes** - हिन्दी भाषा क्षेत्र व बोलियां - हिन्दी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा व संचार भाषा) - हिन्दी का अखिल भारतीय स्वरूप - हिन्दी का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप (कैरेबियाई देश–गिरमिटिया रूप)

<u>संदर्भ</u>

- सामान्य भाषाविज्ञान - बाबूराम सक्सेना
- भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
- भाषा विज्ञान - भोलानाय तिवारी
- हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेन्द्र वर्मा
- हिंदी: उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी
- सामान्य भाषाविज्ञान - वैश्ना नारंग
- हिंदी भाषा: इतिहास और स्वरूप - राजमणि शर्मा
- हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
- संरचनावाद उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र - गोपीचंद नारंग

HIN 605 (MIL)	<u>तुलनात्मक साहित्य**:** अर्थ**,** परिभाषा व अध्ययन क्षेत्र</u> **2+1+0** 1. असमीया साहित्य का इतिहास **8 Classes** 2. माहिम बोरा (माछ) हीरेन भट्टाचार्य (भोगाली) अजीत बरुआ (अवंति नगर) **8 Classes** 3. सौरव कुमार चलिहा (गुलाम) जोगेश दास (गदाधर टी- स्टाल), अरुपा पतंगिया कलिता (निमंत्रण) **8 Classes** 4. वाणी कांत काकोती (निशादूत, कबिर अहैतु की प्रीति, भावरियार भेषत प्रेमिक) ,महेश्वर नेओग (साहित्य साधना, अर्थ व रूचि) **8 Classes**

संदर्भ
असमीया साहित्य निकष- बी.एन. राय चौधरी
असमीया साहित्य का इतिहास- चित्र महंत
असमीया साहित्ये इतिवृत्त- सत्येंद्र नाथ शर्मा
असमीया साहित्य दृष्टिपात- हेमंत कुमार शर्मा
असमीया नाटक साहित्य- ए.एन. शर्मा